(d) Yes, Sir.

(e) The case is being defended and is subjudice.

Warning on stock market boom

3711. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that neither the Finance Ministry nor the RBI had given any warning signal when share transactions sky rocketed from Rs. 23,000 crores to Rs. 1,27,662 crores on April 2, 1992;

(b) whether it is also a fact that the Chief Minister of West Bengal, had warned the Finance Minister and the Government about the unusual stock market boom; and

(c) if so, what action Government had taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has been established with Statutory powers and functions to protect the interests of investors in securities and to promote the development of and to regulate the securities market. Accordingly, SEBI had asked the Bombay Stock Exchange in March, 1992 and the other major Stock Exchanges in April, 1992 to put a ban on carry forward transactions with a view to curbing speculation in the stock market.

(b) The Chief Minister, West Bengal had sent a letter dated April, 4, 1992 to the Finance Minister drawing his attention to the boom in the stock market and requesting him to give consideration for protecting the interests of small and genuine investors.

(c) The Chief Minister, West Bengal was informed that, *inter alia* the SEBI has recently been established with statutory powers and functions for regulating the securities market and for protecting the interests of investors.

भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों द्वारा अर्जित लाभ

3712. **श्रीमती मोरा दास :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के लाभ में 184 गुणा वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ;

(ग) विदेशी बैंकों के संबंध में नरसिम्हम समिति की सिफारिशें क्या हैं;

(घ) क्या सरकार उक्त सिफारिशों को लागू करने पर विचार कर रही है ;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि अभी तक केवल 20 विदेशी बैंकों ने मार्च, 1992 को समाप्त वर्ष के लिए अपने लेखों को अंतिम रूप दिया है । मार्च, 1991 और 1992 को समाप्त वर्ष के लिए 20 विदेशी बैंकों का निवल लाभ क्रमशः 204.04 करोड़ रुपए और 515.37 करोड़ रुपए था । 1991 में 24 विदेशी बैंकों का कुल लाभ 233.01 करोड़ रुपए था । विदेशी बैंकों के निवल लाभ में वृद्धि का मुख्य कारण निवेशों की बिक्री में अधिक लाभ, विदेशी मुद्रा में लेनदेन और बढ़ी हुई ब्याज की प्राप्ति है ।

(ग) श्री एम० नरसिम्हम की अध्यक्षता में गठित वित्तीय प्रणाली संबंधी समिति ने अपनी रिपोर्ट में विदेशी